विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मन्दिर

सी-41, सेक्टर-12, नोएडा

ई- पत्रिका अंक- 47, सितम्बर -2024

ज्ञानोदय

☎ 0120-4545608 WEBSITE: ssmnoida.in GMAIL: ssm.noida@gmail.com

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मन्दिर ,सी - 41, सेक्टर – 12, नोएडा

मासिक ई- पत्रिका, सितम्बर – *2024*

ज्ञानोदय (अंक-47)

संरक्षक मंडल

श्री प्रताप मेहता

श्री दिनेश गोयल

श्री रविन्द्र कुमार
श्री प्रदीप भारद्वाज
श्री सुशील कुमार

श्री असित कुमार त्यागी

मार्गदर्शक

श्री प्रकाशवीर(प्रधानाचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर,नोएडा

संपादक

श्री लेखराज सिंह (आचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर,नोएडा

संपादक मंडल

श्री दीपक कुमार, ब॰अनु सिंह,

ब॰प्रतीक्षा दीक्षित

अनुक्रमणिका

- संपादकीय
- प्रधानाचार्य जी की कलम से
- संस्कृत विषय के क्रियाकलाप
- संस्कृति महोत्सव
- शिक्षक दिवस
- संस्कृति महोत्सव गाज़ियाबाद विभाग
- आचार्य अभिभावक गोष्ठी
- लेख-(उत्सव, जयन्ती एवं दिवस)
    - गांधी जी एवं शास्त्री जी जयन्ती
    - दुर्गाष्टमी
    - विजयादशमी
    - गणेश शंकर विद्यार्थी जयन्ती
    - सरदार पटेल जयन्ती
    - विश्वकर्मा जयन्ती
    - पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती
- AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)
- हिन्दी दिवस
- अतिथि साक्षात्कार
- स्वर्ण प्राशन
- अभिभावक प्रशिक्षण
- जन्मोत्सव कार्यक्रम
- बच्चों का कोना
- बताओ तो जानें

संपादकीय

शिक्षा जीवन विकास की प्रक्रिया है इसलिए वह केवल बाल्यावस्था या युवावस्था तक सीमित नहीं होती, जीवन-पर्यंत चलती रहती है। भारतीय शिक्षा दर्शन के अनुसार शिक्षा की प्रक्रिया जन्म पूर्व से प्रारंभ होकर जन्म-जन्मान्तर तक चलती रहती है।

शिक्षा एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो मनुष्य के जीवन में ज्ञान, संज्ञान, और बुद्धिमत्ता का विकास करती है। इसके माध्यम से हम अपने अद्यापि ज्ञान को बढ़ाते हैं और नई जानकारी को आवश्यक और उपयोगी तरीके से प्राप्त करते हैं। इस प्रकार की आदर्श तथा सत्य पूर्ण शिक्षा की व्यवस्था रखने वाला समाज कभी दिशाहीन या निस्तेज नहीं हो सकता, सतत प्रगतिमान रहता है।

शिक्षा का तात्पर्य सर्वांगीण शिक्षा से है। विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ आदर्श है - सत्य आचरण, न्यायप्रियता, वचन पालन, दृढ़ संकल्प, सच्ची विद्या प्राप्त करने की तीव्रतम अभिलाषा, विद्या प्राप्ति के लिए सर्वस्व त्याग की वृति, निष्ठा, विनम्रता और वृद्धों के प्रति आदर सच्चे विद्यार्थी के गुण होने चाहिए।

विद्यार्थियों को उत्तम मनुष्य और उत्तम नागरिक बनकर समाज और देश को ऊंचाई पर ले जाना है। वह भावी उत्तरदायित्व का अच्छी तरह से वहन कर सकें, इसके लिए उन्हें स्वस्थ मन और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है।

इस सन्दर्भ में हमारा शिशु मन्दिर परिवार भी भैया बहिनों के लिए शिक्षा के विभिन्न प्रकार जैसे कि, मौलिक शिक्षा, मानविकी, साहित्यिक शिक्षा, वैज्ञानिक शिक्षा, गणित शिक्षा, कला शिक्षा व आध्यात्मिक शिक्षा पर विशेष बल देता है।

अंक सम्पादक
दीपक कुमार
स0 शि0 मंदिर नोएडा

प्रधानाचार्य जी की कलम से

जय गौ माता

श्रृड्गमूले स्थितो ब्रह्मा श्रृड्गमध्ये तु केशवः।

सर्व देवाः स्थिता देहं सर्वदेवमयी हिगौः ।।

भावार्थ - गाय के सींग की जड़ में ब्रह्म सींग के मध्य में विष्णु एवं देह में सारे देवता विद्यमान हैं।अतः गाय को गौ ग्रास देने से वह सभी देवी देवताओं को मिल जाता है। एवं सभी देवी देवताओं के दर्शन पूजन का फल प्राप्त हो जाता है।

गौसेवा एवं गौरक्षा हमारा परमधर्म और प्रथम कर्तव्य है।

गौ माता को सारे शास्त्रों में सर्वतीर्थमयी व मुक्तिदायिनी कहा गया है। गौमाता के शरीर में सारे देवताओं का निवास है। भारत की संस्कृति मूलतः गौर संस्कृति है। 'गावो विश्वस्त मातरः' गाय को विश्व की माता कहा गया है। समुद्र मंथन में कामधेनु रूपी पांच गौ माताएं प्रकट हुई- नंदा, सुभद्रा, सुरभि, सुशील, और बहुला। इन पांच गौमाताओं की सेवा हेतु पंच ऋषियों ने इन्हें प्राप्त किया- जमदग्नि, भारद्वाज, वशिष्ठ, असित, और गौतम । गौ सेवा करने के निम्न लाभ होते हैं-

1. भगवत्प्रेम की प्राप्ति होती है।
2. जन्म-मरण से मुक्ति मिलती है।
3. पुण्य की प्राप्ति होती है।
4. संतान की प्राप्ति होती है।
5. ताप-संताप दूर होते हैं।
6. स्वास्थ्य लाभ होता है।
7. ग्रह नक्षत्र अनुकूल होते हैं।
8. गौ माता को सुख मिलता है।
9. गाय की हत्या रूकती है।
10. राष्ट्र सच्ची प्रगति करता है।

गौमाता की जय।

(प्रधानाचार्य)

प्रकाश वीर

स० शि० मंदिर नोएडा

संस्कृत विषय के क्रियाकलाप

गतिविधि-1

(वर्णाः)

उद्देश्य- भैया/बहिनों को संस्कृत वर्ण विभाग तालिका का ज्ञान करना ।

सामग्री- श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर ,भैया /बहिन

गतिविधि 1- श्यामपट्ट पर हमने वर्णों के भेद, स्वर, व्यंजन तथा उनके प्रकार लिख दिए हैं।

2- मेज पर कुछ फ्लैश कार्ड जिनमें हमनें स्वर और व्यंजनों के नाम व संख्या लिख दी हैं ।

3- अब कुछ भैया/बहिनों को स्वर, व्यंजनों के प्रकार को उचित स्थान पर चिपकाना है।

इस क्रियाकलाप से सभी भैया/बहिन सरलता पूर्वक वर्णो के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं ।

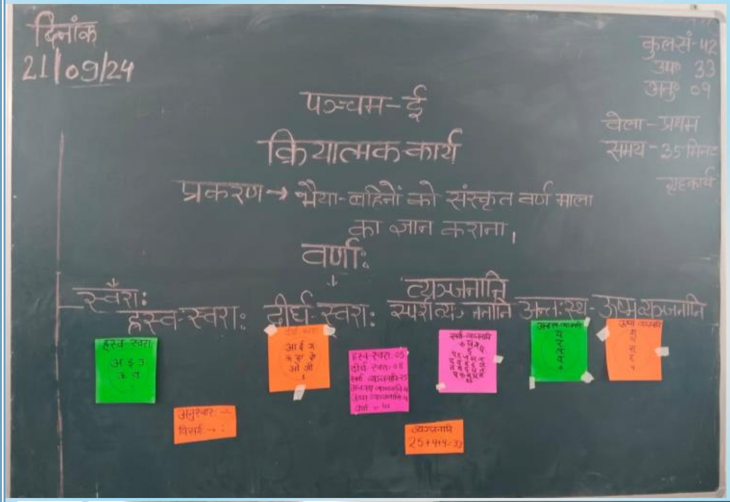

गतिविधि-2

उद्देश्य- सर्वनाम पदों के साथ क्रियापद जोड़कर वाक्य रचना कराना ।

सामग्री- श्यामपट्ट , चॉक, डस्टर, भैया /बहिन

गतिविधि 1- श्यामपट्ट पर हमने कुछ सर्वनाम शब्द लिख दिए हैं ।

2- अब भैया /बहनों को मेज पर रखे फ्लैश कार्ड, जिनमें कुछ क्रियापद लिखे गए हैं उनमें से उचित पद चुनकर सर्वनाम पदों के सामने चिपकाना है ।

3- यथा -अहं नमामि ,त्वम् पूजयसि

इस प्रकार सभी भैया /बहिन उत्साह पूर्वक अनुकरण वाचन करके वाक्य बनाना सीख रहे हैं ।

गतिविधि-3

प्रकरण- चित्रों के माध्यम से रंगों की पहचान करवाना।

सामग्री- फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, भैया / बहिन ।

- श्यामपट्ट पर हमने कुछ रंगों के नाम लिख दिए हैं ।
- मेज पर हमने कुछ रंगों के फ्लैश कार्ड रख दिए हैं ।
- अब कुछ भैया/ बहिन श्यामपट्ट पर लिखे गए रंगों के नाम के सामने बनाए गए चित्रों की पहचान कर चिपकाएंगे ।
- शेष भैया/ बहिन ध्यान पूर्वक रंगों की जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- इस गतिविधि से भैया/ बहिनों को रंगों की जानकारी हो जाएगी ।

गतिविधि-4

प्रकरण- चित्रों के माध्यम से फलों, फूलों, व सब्जियों की पहचान करवाना।

सामग्री - फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, भैया/ बहिन ।

- श्यामपट्ट पर हमने कुछ फलों, फूलों व सब्जियों के नाम लिख दिए हैं ।
- मेज पर हमने कुछ फलों, फूलों व सब्जियों के चित्र के फ्लैश कार्ड रख दिए हैं।
- अब कुछ भैया/ बहिन श्यामपट्ट पर लिखे गए फलों, फूलों व सब्जियों के नाम सामने बनाए गए चित्रों की पहचान कर चिपकाएंगे।
- शेष भैया/ बहिन ध्यानपूर्वक फलों,फूलों व सब्जियों की जानकारी प्राप्त करेंगे ।
- इस गतिविधि से भैया/ बहिनों को फलों, फूलों व सब्जियों की जानकारी प्राप्त हो जाएगी।

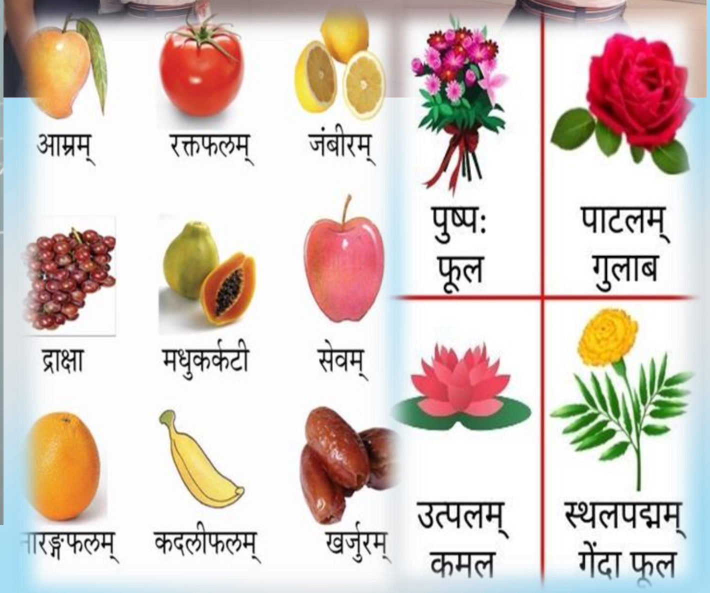

संस्कृति महोत्सव

भारत भवन
सहयोग - भारत विकास परिषद्, नोएडा
विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर
सी-41, सैक्टर-12, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)

भारत भवन
सहयोग - भारत विकास परिषद्, नोएडा
विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर
सी-41, सैक्टर-12, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)

विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर
सी-41, सैक्टर-12, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर)

विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर

विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर

विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर

विद्या भारती मेरठ प्रान्त
सरस्वती शिशु मंदिर

दिनांक- 02/09/24 से 05/09/24 तक सरस्वती शिशु मन्दिर, नोएडा के शिशु वाटिका में चल रहे संस्कृति महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आचार्य बहिनों के सहयोग से अभिभावकों के समक्ष कक्षा अरुण (NURSERY), उदय (L.K.G.), प्रभात (U.K.G.) व प्रथम के भैया/ बहिनों की सुन्दर प्रस्तुति के छायाचित्र.......

शिक्षक दिवस

दिनांक- 05.09.24 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य व आचार्या बहिन नेहा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के विषय में भैया/बहिनों को महत्वपूर्ण जानकारी दीं। उन्होंने बताया की विद्यार्थी जीवन में शिक्षक का कितना महत्वपूर्ण स्थान है।

संस्कृति महोत्सव गाज़ियाबाद विभाग

दि०- **07/09/2024** को सरस्वती शिशु मंदिर,नोएडा में **विभागीय संस्कृति महोत्सव** का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के **13 विद्यालयों ने सहभागिता की।** अपने विद्यालय के भैया / बहिनों ने प्रश्नमंच, अंताक्षरी, कला, कथा कथन,आचार्य पत्र वाचन में प्रथम स्थान तथा गीत व लोकनृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के छायाचित्र.....

प्रान्तीय संस्कृति महोत्सव

पृष्ठ क्रमांक 33 के उत्तर -1.पुस्तक 2. सागर 3. मकान 4. तोता 5.पपीहा 6. ओस

दि०-14-15/09/2024 को सरस्वती शिशु मंदिर, नूरपुर (बिजनौर) में प्रांतीय संस्कृति महोत्सव व 18-19/09/2024 को कमला देवी सरस्वती शिशु मंदिर शास्त्री नगर मेरठ में विज्ञान गणित मेला का आयोजन किया गया। जिसमें अपने विद्यालय के भैया/बहिनों ने अंताक्षरी, कथा-कथन, आचार्य पत्र वाचन, विज्ञान प्रदर्श (विषय- सरल मशीन पर आधारित प्रदर्श), आचार्य गणित पत्र वाचन में प्रथम स्थान तथा प्रश्नमंच, वैदिक गणित, विज्ञान प्रदर्श -2 (कचरा प्रबंधन पर आधारित प्रदर्श), गणित प्रदर्श (shapes measurement and money) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के छायाचित्र.....

आचार्य/अभिभावक गोष्ठी

दिनांक-14/09/24 को आचार्य अभिभावक गोष्ठी के छायाचित्र.......

लेख-(उत्सव, जयन्ती एवं दिवस)

गांधी जी जयन्ती

2 अक्टूबर को मनाए जाने वाली गांधी जयंती एक महान व्यक्तित्व के सम्मान का प्रतीक है जिनका वास्तविक नाम मोहनदास करमचंद गांधी था । इनका जन्म गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर सन् 1869 को हुआ था।

गांधीजी एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके जीवन और सिद्धांतों ने संपूर्ण इतिहास पर एक अमित छाप छोड़ी । महात्मा गांधी को भारत में राष्ट्रपिता के रूप में जाना जाता है जो सत्य, अहिंसा और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे।

उनकी शिक्षाएं और जीवन दुनिया भर के लिए प्रेरणा स्वरूप है । इन्होंने सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन के लिए शक्तिशाली उपकरण के रूप में सत्य, अहिंसा और सविनय अवज्ञा जैसे सिद्धांतों का समर्थन कर भारतीय स्वतंत्रता के आंदोलन को एक नया रूप दिया।

गांधी जी एक महान शिक्षाविद थे, उनका मानना था कि किसी देश की सामाजिक, नैतिक और आर्थिक प्रगति अंततः शिक्षा पर निर्भर करती है। उनकी राय में शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य आत्म-मूल्यांकन है। उनके अनुसार, छात्रों के लिये चरित्र निर्माण सबसे महत्त्वपूर्ण है।

गांधी जी ने अपना जीवन सत्य, या सच्चाई की व्यापक खोज में समर्पित कर दिया। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी स्वयं की गलतियों और खुद पर प्रयोग करते हुए सीखने की कोशिश की। उन्होंने अपनी आत्मकथा को सत्य के प्रयोग का नाम दिया।

यही कारण है कि 2 अक्टूबर को अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है ।संघर्षों से जूझती दुनिया में शांति और सहिष्णुता का उनका संदेश सभी के लिए मार्गदर्शन बना हुआ है।

हम सभी गांधी जी के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए किए गए त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए उन्हें शत-शत नमन करते हैं।

राखी यादव (आचार्या)

सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

लाल बहादुर शास्त्री जी जयन्ती

भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री भारत की धरती पर जन्मे ऐसे महापुरुषों में से है, जिन्होंने परिश्रम कर्तव्य और आचरण से न केवल अपने देश का मान बढ़ाया बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मिसाल पेश की है। उन्होंने छोटी उम्र में ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बने।

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को मुगलसराय वाराणसी उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनके पिता शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एक स्कूल शिक्षक थे। उनकी माता का नाम रामदुलारी देवी था। वर्ष 1964 में लाल बहादुर शास्त्री देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने । इस दौरान अन्न संकट के कारण देश भुखमरी की स्थिति से गुजर रहा था। वही 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान देश आर्थिक संकट से जूझ रहा था।

उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन ने शास्त्री जी पर दबाव बनाया यदि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध बंद नहीं किया गया, तो हम गेहूं के आयात पर प्रतिबंध लगा देंगे । यह वह समय था, जब भारत गेहूं के उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं था। इसलिए शास्त्री जी ने देशवासियों को सेवा एवं जवानों का महत्व बताने के लिए " जय जवान जय किसान " का नारा दिया था ।

शास्त्री जी के अनमोल विचार

1. देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाय गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।
2. आजादी की रक्षा केवल सैनिकों का काम नहीं है, पूरे देश को मजबूत होना होगा।
3. जब स्वतंत्रता और अखंडता खतरे में हो, तो पूरे शक्ति से उस चुनौती का मुकाबला करना ही एकमात्र कर्तव्य होता है।
4. लोगो को सच्चा स्वराज या लोकतंत्र कभी भी असत्य और अहिंसा के बल से प्राप्त नहीं हो सकता है।
5. हम खुद के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के शांति, विकास और कल्याण में विश्वास रखते हैं।

अरुणिमा श्रीवास्तव (आचार्या)

सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

दुर्गाष्टमी

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रुपेण संस्थिता ।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।

आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि जो दुर्गाष्टमी के नाम से जानी जाती है,संपूर्ण भारतवर्ष में बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। शारदीय नवरात्रों के प्रथम दिवस में मां दुर्गा की स्थापना कर पूरे नौ दिन माता के नौ रूपों क्रमशः माता शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री की संपूर्ण विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और इन नौ दिनों को उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

इसके उपलक्ष में पंडाल लगाकर माता की चौकी,जागरण एवं कीर्तन का आयोजन किया जाता है।गुजरात में डांडिया और गरबा खेलकर माता रानी के उत्सव को बड़े ही श्रद्धा एवं उत्साह से मनाया जाता है। दुर्गा अष्टमी का पश्चिम बंगाल में विशेष महत्व है,क्योंकि यह त्यौहार वहां के प्रमुख त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की उपासना की जाती है। मां महागौरी का रंग पूर्णतः गोरा होने के कारण इन्हें श्वेतांबरधरा भी कहा जाता है और वृषभ पर सवार होने के कारण इन्हें वृषारूढ़ा कहा जाता है।

मां दुर्गा जो शक्ति का अवतार है, जिन्होंने सृष्टि को विनाश से बचाने हेतु असुरों का संहार कर धर्म,सत्य एवं आस्था को पुनः स्थापित किया। यह त्यौहार मां दुर्गा के दानव महिषासुर के ऊपर विजय के सम्मान में मनाया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतिनिधित्व करती है।

नवरात्रि में समस्त भक्तजन माता के प्रति पूरी श्रद्धा,आस्था,धैर्य और संयम से उपवास रखते एवं अष्टमी अथवा नवमी तिथि को माता के नव रूपों के प्रतीक नौ कन्याओं को अपने घर बुलाकर स्वागत, सत्कार एवं पूजन कर,भोजन करवाकर उन्हें भेंट अर्पण कर अपना उपवास पूर्ण करते हैं और माता से प्रार्थना करते हैं कि, 'हे माता अपना आशीर्वाद सदैव अपने भक्तजनों पर ऐसे ही बनाए रखना। मां दुर्गा ममता और वात्सल्य की मूर्त है, जिनकी शक्ति अमोघ फल दायिनी है। इसी कामना के साथ कि मां दुर्गा हम सभी के कारज सिद्ध करें तथा सभी को सुखी, समृद्ध एवं आरोग्य रखें।

रजनी शर्मा (आचार्या)
सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

विजयादशमी

विजयादशमी या दशहरा हिंदुओं का प्रमुख त्यौहार है। विजयादशमी या दशहरा राम की विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला उत्सव है। आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी की तिथि के दिन मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम ने लंका पति रावण का वध कर विजय प्राप्त की थी। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसलिए इस उत्सव को दशहरा या विजयादशमी के नाम से जाना जाता है।

दशहरा या विजयादशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन दशमुख वाला लंका पति रावण मारा गया था। यह दिन 'शस्त्र पूजन उत्सव' के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन क्षत्रिय और वीर लोग अपने-अपने शस्त्रों की सफाई करके वीरता की देवी भगवती दुर्गा की पूजा करते हैं। यह दिवस शक्ति पूजा 'शस्त्र पूजा' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इस उत्सव का संबंध नवरात्रि से भी है क्योंकि नवरात्रि के उपरांत ही यह उत्सव होता है और इसमें महिषासुर के वध में देवी के साहसपूर्ण कार्यों का उल्लेख मिलता है।

दशहरा या विजयदशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। दशहरा पर्व हमें यह भी सिखाता है कि हमें सभी बुराइयों को त्याग कर हमेशा अच्छाई के मार्ग पर चलना चाहिए। दशहरा का पर्व 10 प्रकार के पापों-काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद्, मत्सर,अहंकार, आलस्य ,हिंसा, चोरी जैसे अवगुणों को छोड़ने की प्रेरणा देता है। दशहरा इस समय भारत के गांवों, कस्बों, नगरों में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के जीवन चरित्र का रामलीला उत्सवों में कलाकारों के द्वारा मंचन किया जाता है।

राजेन्द्र जी (आचार्या)

सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

गणेश शंकर विद्यार्थी जयन्ती

गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर 1890 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के एक छोटे से गाँव में हुआ था। उनका परिवार एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार था, जिसमें शिक्षा का महत्त्व हमेशा से रहा। उनके पिता, जयनारायण एक अध्यापक थे और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी काफी प्रतिष्ठा थी। गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रारंभिक शिक्षा उनके घर पर ही हुई। वे एक तेज बुद्धि के छात्र थे और उनके अंदर शिक्षा के प्रति गहरा लगाव था।

उन्होंने स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उनकी शिक्षा में संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू का गहन अध्ययन था, जो आगे चलकर उनकी पत्रकारिता और लेखन में परिलक्षित हुआ। उन्होंने 'प्रताप' नामक हिंदी साप्ताहिक पत्रिका की स्थापना की, जो उस समय के ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाने वाले प्रमुख पत्रों में से एक थी। 'प्रताप' का नाम ही शौर्य और स्वतंत्रता का प्रतीक था।

इस पत्र के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की नीतियों की कड़ी आलोचना की और देशवासियों को स्वतंत्रता संग्राम में जुड़ने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने असहयोग आंदोलन में भाग लिया और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाई। उनकी लेखनी और वक्तव्य में ब्रिटिश सरकार के प्रति कड़ी आलोचना होती थी,

जिससे कई बार उन्हें जेल भी जाना पड़ा। विद्यार्थी जी का जेल जाना उनके संघर्षशील स्वभाव का परिचायक था। वे जानते थे कि इस रास्ते पर कठिनाइयाँ आएंगी, पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। विद्यार्थी ने कई बार अपने लेखों और भाषणों में इस बात पर जोर दिया कि हिंदू और मुस्लिम दोनों को अपने मतभेद भूलाकर एकजुट होना होगा, तभी आजादी का सपना साकार हो सकता है।

धर्मेन्द्र कुमार (आचार्य)

सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

सरदार पटेल जयन्ती

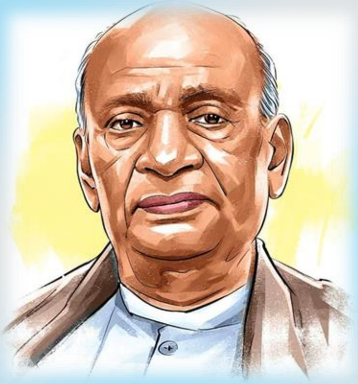

सरदार वल्लभभाई पटेल उन वीर पुरुषों में से एक थे जिनके अंदर देशभक्ति, समाज सेवा, देशसेवा और देशप्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी थी। सरदार वल्लभभाई पटेल जी अपनी दृढ़ता, विश्वास ,स्वाभिमान, देश के लिए प्यार, काम के प्रति लगन की वजह से ही वह भारत के लौह पुरुष के नाम से जाने जाते हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को भारत के गुजरात राज्य में हुआ था। इनका पूरा नाम सरदार वल्लभभाई झवेर भाई पटेल था जो एक कृषक थे इनकी माता का नाम लाडबा देवी था जो एक सामान्य गृहणी थी।

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रारंभिक शिक्षा घर पर हुई बाद में लंदन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। सरदार पटेल बचपन से ही मेहनती स्वभाव के थे। वह कृषि कार्य में अपने पिता का हाथ बताते थे तथा अतिरिक्त समय में पढ़ाई करते थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, उन्होंने देश को आजाद करने के लिए आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गांधी जी को सरदार पटेल की क्षमता पर पूर्ण विश्वास था और वह पटेल जी की सलाह लिए बिना कोई काम नहीं करते थे। 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद होने के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री बने सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनका 15 दिसंबर 1950 को 75 वर्ष की आयु में इनका देहांत हो गया। अपने महान कार्य और अखंड भारत के निर्माण के लिए सरदार पटेल का नाम सदैव याद किया जाएगा।

चेतना (आचार्या)
सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

विश्वकर्मा जयन्ती व पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती

दिनांक-17/09/24 को विद्यालय में विश्वकर्मा जयंती व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के आचार्य दीपक जी व आचार्या बहिन अनुपम ने दीनदयाल उपाध्याय के जीवन के बारे में बताया वह उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही।

AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)

AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी तकनीक है, जो कंप्यूटर या मशीन को इंसानों की तरह सोचने और निर्णय लेने की क्षमता देती है।

AI क्या है?

AI का मतलब है मशीन को इतनी सक्षमता देना कि वह खुद से काम कर सके। जैसे, आप जब फोन पर बोलकर कुछ सर्च करते हैं, तो वो तुरंत आपको जवाब दे देता है। यह AI की मदद से होता है। AI इंसान की तरह सीख सकता है, चीजों को पहचान सकता है, और मुश्किल सवालों का हल निकाल सकता है।

AI कैसे काम करता है?

AI काम करने के लिए तीन मुख्य चीजों का इस्तेमाल करता है:

डेटा (Data): AI को काम करने के लिए बहुत सारे डेटा की जरूरत होती है। जैसे इंसान पढ़ाई करके ज्ञान हासिल करते हैं, वैसे ही AI डेटा से सीखता है।

एल्गोरिद्म: (Algorithm)यह कंप्यूटर के लिए एक तरह के निर्देश होते हैं, जिन्हें फॉलो करके AI सोचने और निर्णय लेने का काम करता है।

प्रशिक्षण (Training): AI को एक बार डेटा देकर उसे सिखाया जाता है कि कौन सा काम कैसे करना है। जैसे, अगर AI को यह सिखाना हो कि तस्वीर में कुत्ता कहां है, तो उसे बहुत सारी तस्वीरें दिखाई जाती हैं ताकि वह पहचान सके। **सरल उदाहरण:** गूगल असिस्टेंट- जब आप उससे बोलकर कुछ पूछते हैं, तो वह आपकी आवाज को समझता है, इंटरनेट पर सर्च करता है, और तुरंत जवाब देता है। यह सब AI की वजह से होता है।

चैटबॉट्स: (Chatbot) जब आप किसी वेबसाइट पर चैट करते हैं, तो AI आपको जवाब देता है जैसे कि वह इंसान हो।

कुल मिलाकर, AI एक स्मार्ट तकनीक है जो कंप्यूटर और मशीनों को खुद से काम करने, सीखने, और समस्याओं का हल निकालने में मदद करती है।

AI आजकल हर व्यक्ति के लिए जरूरी बन गया है क्योंकि ये हमारा रोज़ाना जिंदगी के काफी काम को आसान और सुंदर बना रहा है। ये कुछ तरीके हैं जिनमें AI हर इंसान के लिए महत्त्वपूर्ण हो गया है।

स्मार्टफोन और ऐप्स: AI हर इंसान के मोबाइल फोन में छुपी होती है, चाहे वो गूगल असिस्टेंट हो या सिरी। ये हमें जवाब देना, याद दिलाना, और कुछ करने में मदद करती है।

ऑनलाइन शॉपिंग और जानकारी: जब हम Amazon, Flipkart, या YouTube जैसी वेबसाइटों पर कुछ देखते हैं, AI हमें हमारी पसंद के हिसाब से नई चीज़ उपलब्ध करती है। ये हमें जो पसंद है, वो जल्दी ढूंढने में मदद करता है।

स्वास्थ्य देखभाल: AI डॉक्टरों को बड़ी बीमारियों का निदान जल्दी और सही तरीके से करने में मदद करता है और मरीज की जान बच सकती है।

ऑनलाइन सेवाएं: AI से हम चैटबॉट्स के साथ ग्राहक सहायता ले सकते हैं, बैंक खाते का प्रबंधन कर सकते हैं, और अपने लेनदेन जल्दी और आसानी से कर सकते हैं।

शिक्षा और सीखना: AI टूल्स के जरिए बच्चे और छात्र अपनी पढ़ाई में बेहतर मार्गदर्शन ले सकते हैं, जैसे वैयक्तिकृत शिक्षण ऐप्स, जिनमें उनकी रुचि और सीखने की गति के हिसाब से कंटेंट दिया जाता है।

परिवहन और मानचित्र: जब हम जीपीएस का उपयोग करते हैं या राइड-हेलिंग सेवाएं (उबर, ओला) लेते हैं, तो AI सबसे अच्छा मार्ग, यातायात जानकारी और अनुमानित समय बताता है।

सुरक्षा: AI के माध्यम से चेहरा पहचान, फिंगरप्रिंट स्कैनिंग, और धोखाधड़ी का पता लगाने वाला सिस्टम ज्यादा सुरक्षित हो गया है, जिसे हमारे व्यक्तिगत डेटा और पहचान की रक्षा होती है। ये सब चीजें हमारी जिंदगी को तेजी से बदलने वाली हैं, और इसलिए AI हर व्यक्ति के लिए जरूरी होती जा रही है।

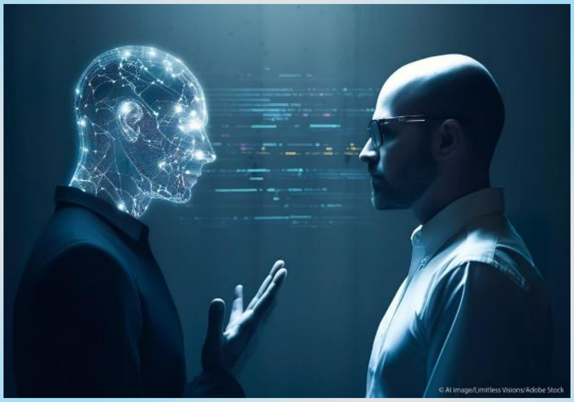

सरोज रावत (आचार्या)

सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा

हिन्दी दिवस

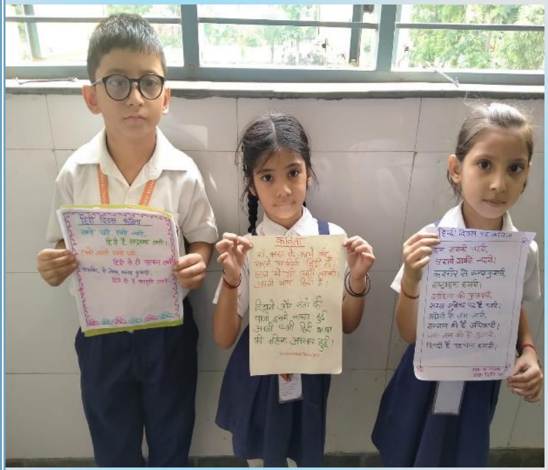

अतिथि साक्षात्कार

अतिथि- श्री निनामी सिंह जी (कृषक व व्यापारी)

संवाददाता- "बाल मन की उड़ान” चैनल से बहिन आराध्या व अनामिका (कक्षा-पंचम)

संवाददाता - आप अपने बारे में बताइए आप कहां पर कार्यरत हैं?

अतिथि- मैं ग्राम-इनायतपुर डाकखाना-जाज़र जिला-बुलंदशहर में कृषि का कार्य करता हूं और बिजनेस का कार्य करता हूं। मेरे यहां दो बच्चे नाती-नातिन और पौत्र-पौत्री एडमिशन लिए हुए है उनसे मैं मिलने के लिए यहां आया था। उन्होंने इस स्कूल की अच्छी सुविधाएं व पढ़ाई के बारे में मुझे बताया।

संवाददाता - आप इस विद्यालय में आए आपका क्या अनुभव रहा?

अतिथि - इस विद्यालय का अनुशासन और पढ़ाई का माध्यम अच्छा है और जो चीज स्विमिंग पूल और ऐसे खेल की जो टीआरपी बच्चों की हैं वह और स्कूलों में नहीं है।

संवाददाता - सर आप अपना पसंदीदा विषय बताइए-

अतिथि - मेरा पसंदीदा विषय Character (चरित्र) अगर आदमी का चरित्र है तो सब कुछ है। character is loss all is loss,money is loss nothing loss, health is loss something loss.

संवाददाता - आप शुरू से ही शिक्षा के क्षेत्र में आना चाहते थे या किसी और क्षेत्र में ?

अतिथि -नहीं मैं पहले बिजनेस में था शिक्षा ग्रहण करने के बाद बिजनेस में चला गया।

संवाददाता - सर आपने किस विद्यालय में अपनी शिक्षा ग्रहण की है?

अतिथि - मैंने हाई स्कूल कैला देवी इंटर कॉलेज इनायतपुर से हाई स्कूल और ककोड़ से इंटर पास की है।

संवाददाता - सर आप खाली समय में क्या काम करना पसंद करते हैं?

अतिथि - हम इस उम्र के हिसाब से भगवान का भजन,ध्यान,योग यह पसंद करते हैं।

संवाददाता - सर आप किस भगवान को अधिक मानते हैं?

अतिथि- भगवान सभी एक हैं कोई अन्य नहीं है सब शरीर अलग है आत्मा एक है।

संवाददाता - सर आप कृषि क्षेत्र में कौन-सी फसलों की खेती करते हैं?

अतिथि- हमारे यहां गन्ना,धान,गेहूं मुख्य फसल है।

संवाददाता- सर आप शुरू से ही कृषि का कार्य करते हैं?

अतिथि- शुरू से ही मैंने कृषि का कार्य किया है इसके बाद कस्बे में एक किराने की दुकान खोलकर बिजनेस का काम किया।

संवाददाता- हमसे बात करने के लिए धन्यवाद । **अतिथि-** धन्यवाद ।

Interview with Guest

Guest : Mrs. Urvi (professor of psychology at the University of California San Diego)

Reporter - Aaradhya and Anamika (class 5th) from "Bal Man Ki Udaan" channel.

Reporter : Welcome to the news channel of 'Bal Man Ki Udan' Saraswati Shishu Mandir, Noida. Me Aaradhya and my associate sister Anamika welcome you.

Reporter : How was your journey from primary to higher education?

Guest : It was good, lots of fun . I went to school here, so I went to Raghuveer Singh Junior Modern School in Delhi, after which I went to the senior branch at Barakhamba Road. Then I went to Canada, where I did a bachelor degree in psychology and history. Following which I started my Ph.D at the University of California in San Diego, where I am right now.

Reporter : What are you planning for your career in the future?

Guest : There are lots of paths that you can take after a Ph.D, and I really would like to work as a professor where I get to do more research work with kids.

Reporter : What is the reason for choosing California University for higher education?

Guest : When you do research and we do it on a specific topic. So I am interested in teaching kids about numbers counting , their experience to construct the word, what the word means , and how it got navigated.

In a P.h.D, it's very important for somebody to find a mentor, advisor or professor that has similar interests ,that works.

I chose to work with my family advisor, Dr. David, who works in the language and development club at the University of California, Sandiego.

Reporter : What is your favourite food?

Guest : My favourite food is Rajma chawal. I love Rajma Chawal.My grandmother makes the best rajma chawal.

Reporter : What is your hobby?

Guest : My hobby is to read a lot. I love to read short stories, biographies and paint sometimes I also like to write in my free time.

Reporter : How was the experience with the students of our school?

Guest : It's a wonderful experience .You have really

well-behaved students. Everybody has been really good to me at the school . So I am really grateful for that.

Reporter : What message do you want to convey us?

Guest : You are doing great . It's really nice to see a school that is devoted to Hindi and has instructions in Hindi that foster students's curiosity . So be curious and be excited about learning and asking questions.

Reporter : Were you already familiar with Saraswati Shishu Mandir?

Guest : Yes, there are similarities with the schools and with the organizations that are running . You have fantastic vision and mission. I am very excited.

Reporter : Thank you for talking to us.

Guest : Thank you.

स्वर्ण प्राशन

सरस्वती शिशु मंदिर सेक्टर - 12 नोएडा में प्रतिमाह पुष्य नक्षत्र में शिशु वाटिका के भैया / बहिनों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। इसी क्रम में आज 27 सितम्बर (शुक्रवार) को स्वर्ण प्राशन कराते समय उपस्थित आचार्य दीदी व भैया/बहिनों के छायाचित्र.....

अभिभावक प्रशिक्षण

दिनांक - 27/09/24 व 28/09/24 को सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा, (शिशुवाटिका) में दिन शुक्रवार व शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला मे अभिभावक प्रशिक्षण के छायाचित्र ....

जन्मोत्सव कार्यक्रम

दिनांक- 28/09/24 को सितम्बर मास में जन्में शिशुओं के उज्जवल भविष्य के लिए विद्यालय में हवन पूजन का कार्यक्रम के छायाचित्र........

बच्चों का कोना

1. बोल नहीं पाती हूँ मैं,
और सुन नहीं पाती।
बिना आँखों के हूँ अंधी,
पर सबको राह दिखाती।

2.तीन अक्षर का मेरा नाम,
बीच कटे तो रिश्ते का नाम।
आखिरी कटे तो सब खाए,
भारत के तीन तरफ दिखाए।

3.शुरू कटे तो कान कहलाऊँ,
बीच कटे तो मन बहलाऊँ।
परिवार की मैं करूँ सुरक्षा
बारिश, आँधी, धूप से रक्षा।

4.नकल उतारे सुनकर वाणी,
चुप-चुप सुने सभी की कहानी।
नील गगन है इसको भाए,
चलना क्या उड़ना भी आए।

5. आगे ‘प’ है मध्य में भी ‘प’,
अंत में इसके ‘ह’ है।
पेड़ों पर रहता है,
सुर में कुछ कहता है।

6. देखी रात अनोखी वर्षा,
सारा खेत नहाया।
पानी तो पूरा शुद्ध था,
पर पी न कोई पाया।

बताओ तो जानें

1. विद्यालय में जन्मदिन का हवन किस दिनांक को हुआ ?

2.विद्यार्थियों के लिए चार श्रेष्ठ आदर्श क्या हैं ?

3.गौ माता को शास्त्रों में क्या कहा गया है ?

4.समुद्र मंथन में कामधेनु रूपी पांच गौ माताओं के नाम लिखिए ?

5."विभागीय संस्कृति महोत्सव" में कितने विद्यालयों की सहभागिता थी ?

6. अमेरिका के किस राष्ट्रपति ने शास्त्री जी पर दबाव बनाया था ?

7. दुर्गा माता के नौ रूपों के नाम लिखिए ?

8. गणेश शंकर विद्यार्थी ने किस हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका की स्थापना की ?

9. सरदार पटेल का पूरा नाम क्या था ?

10. AI का पूरा नाम क्या है ?

11. AI हमारी किस प्रकार से सहायता करता है ?

12. सितम्बर माह में "पुष्य नक्षत्र" किस तिथि को था ?

आलोक- उपरोक्त सभी प्रश्नों के उत्तर इसी अंक में विद्यमान है अतः इसी अंक के उत्तर मान्य होंगे।

कक्षा- द्वितीय से पञ्चम तक के सभी भैया /बहिनों को ई- पत्रिका के पृष्ठ क्रमांक 33 व 34 में दिए प्रश्नो के उत्तर कक्षाचार्य जी के व्हाट्सप्प पर दिनांक - 10 अक्टूबर 2024 तक भेजने होंगे, जिससे आपके आने वाली परीक्षा में उनके अंक दिए जा सकें।